

श्रीः

31/4/21

# एक शिक्षाप्रद उपन्यास ।

लेखक—

बाबू बरी ।

प्रकाशक तथा मुद्रक—

“दुर्गा प्रेस” नं० ७४ बड़तला द्वीट,

कलकत्ता ।

प्रथमवार १००० ] सं० १८७५ [ मूल्य ॥१॥